चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6.9.23	3	3-5

शिक्षक दिवस • इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान कॉलेज में कार्यक्रम

गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच और संबंध आवश्यक : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

शिक्षकों का कर्तव्य विद्यार्थियों में सिर्फ स्किल ही पैदा करना नहीं है अपितु उन्हें अपने जीवन मूल्यों व कर्तव्यों का बोध करवाना भी है। इसलिए शिक्षक आत्म-अवलोकन जरूर करें। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अनुशासित बनकर अपने गुरुजनों का सम्मान जरूर करें। गुरु-शिष्य के बीच इसी सकारात्मक संबंध से हमारा देश फिर से विश्वगुरु कहलाएगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और उपभोक्ता विज्ञान द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रांगण में पौधरोपण किया।

मुख्यातिथि ने कार्यक्रम में विशेष तौर पर मौजूद संबंधित महाविद्यालय से सेवानिवृत्त शिक्षिकाएं, जिनमें डॉ. नीलम खेतरपाल, डॉ. नीलम परूथी, डॉ. सरोज जीत सिंह, डॉ. सविता सिंगल व डॉ. कृष्णा कामरा का विशेष अभिनंदन कर आभार जताया। इस अवसर पर छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। इससे पूर्व इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने सभी का धन्यवाद कर शिक्षक दिवस पर सभी को बधाई दी।

शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज संबोधित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	6-9-23	5	1-4

गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध ज़रूरी, तभी हमारा देश फिर से बन सकेगा विश्वगुरु : प्रो. काम्बोज

हकृवि के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 5 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): शिक्षकों का कर्तव्य विद्यार्थियों में सिर्फ स्किल ही पैदा करना नहीं है अपितु उन्हें अपने जीवन मूल्यों व कर्तव्यों का बोध करवाना भी है। इसलिए शिक्षक आत्म-अवलोकन जरूर करें। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अनुशासित बनकर अपने गुरुजनों का सम्मान जरूर करें। गुरू-शिष्य के बीच इसी सकारात्मक संबंध से हमारा देश फिर से विश्वगुरु कहलाएगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे।

वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और उपभोक्ता विज्ञान द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने शिक्षाविदें व विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध के साथ जीवन के हर पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में चाहे जितनी भी

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज छात्राओं से हालचाल जानते हुए।

कठिनाईयां व चुनौतियां आ जाए लेकिन अंतिम क्षण तक हार नहीं माननी चाहिए। इन्होंने बतलाया था कि जीवन में सर्वाधिक महत्व वर्तमान का है। इसलिए विद्यार्थियों को चाहिए कि वे जीवन में अनुशासित बनकर सफल नागरिक की राह पर चले। कुलपति ने स्वामी परमहंस व स्वामी विवेकानंद के जीवन के प्रसंगों का उदाहरण देकर भी गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक संबंध को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का जीवन सफल बनाने में शिक्षकों का अहम योगदान होता है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रांगण में पौधरोपण किया। साथ ही उपस्थित शिक्षाविदें व विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया। मुख्यातिथि ने कार्यक्रम में विशेष तौर पर मौजूद संबंधित महाविद्यालय से सेवानिवृत शिक्षिकाएं, जिनमें डॉ. नीलम खेतरपाल, डॉ. नीलम परूथी, डॉ. सरोज जीत सिंह, डॉ. सविता सिंगल व डॉ. कृष्णा कामरा का विशेष अभिनंदन कर आभार जताया। इस अवसर पर छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। साथ ही छात्राओं ने म्युजिकल चेयर गेम करवाकर माहौल को खुशनुमा बनाया। इसके अलावा विद्यार्थियों ने बचपन की यादें विषय पर शिक्षाविदें के बचपन की फोटो को डॉक्यूमेंटरी के जरिए प्रस्तुत कर माहौल को तरो-ताजा कर दिया। अंत में कुलपति ने उपस्थित छात्राओं से मुलाकात कर हाल-चाल जाना। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इससे पूर्व इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने सभी का धन्यवाद कर शिक्षक दिवस पर सभी को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	6.9.23	2	2-7

एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में हुआ विशेष कार्यक्रम

गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध जरूरी: प्रो. बीआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा है कि शिक्षकों का कर्तव्य विद्यार्थियों में सिर्फ स्किल ही पैदा करना नहीं है अपितु उन्हें अपने जीवन मूल्यों व कर्तव्यों का बोध करवाना भी है। इसलिए शिक्षक आत्म-अवलोकन जरूर करें। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अनुशासित बनकर अपने गुरुजनों का सम्मान जरूर करें। गुरु-शिष्य के बीच इसी सकारात्मक संबंध से हमारा देश फिर से विश्वगुरु कहलाएगा।

हिसार। हकृवि कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज छात्राओं से हालचाल जानते हुए।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मंगलवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और उपभोक्ता विज्ञान द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित विशेष कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिक्षाविदों व विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध के साथ जीवन के हर पथ पर आगे बढने के लिए प्रेरित किया। इन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में चाहे जितनी भी कठिनाईयां व चुनौतियां आ जाए लेकिन अंतिम क्षण तक हार नहीं माननी चाहिए। इन्होंने बतलाया था कि जीवन में सर्वाधिक महत्व वर्तमान का है। इसलिए विद्यार्थियों को चाहिए कि वे जीवन में अनुशासित बनकर सफल नागरिक की राह पर चले।

कुलपति ने स्वामी परमहंस व स्वामी विवेकानंद के जीवन के प्रसंगों का उदाहरण देकर भी गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक संबंध को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का जीवन सफल बनाने में शिक्षकों का अहम योगदान होता है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रांगण में पौधरोपण किया।

छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया

मुख्यातिथि ने कार्यक्रम में विशेष तौर पर मौजूद संबंधित महाविद्यालय से सेवानिवृत शिक्षिकाएं, जिनमें डॉ. नीलम खेतरपाल, डॉ. नीलम परुथी, डॉ. सरोज जीत सिंह, डॉ. सविता सिंगल व डॉ. कृष्णा कामरा का विशेष अभिनंदन कर आभार जताया। छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। साथ ही छात्राओं ने म्यूजिकल चेयर गेम करवाकर माहौल को खुशनुमा बनाया। इसके अलावा विद्यार्थियों ने बचपन की यादें विषय पर शिक्षाविदें के बचपन की फोटो को डॉक्यूमेंटरी के जरिए प्रस्तुत कर माहौल को तरो-ताजा कर दिया। अंत में कुलपति ने उपस्थित छात्राओं से मुलाकात कर हाल-चाल जाना। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इससे पूर्व इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने सभी का धन्यवाद कर शिक्षक दिवस पर सभी को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6-9-23	4	4-5

युवाओं को हर पथ पर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया

एचएयू में कुलपति प्रो. कांबोज छात्राओं से बातचीत करते हुए। स्रोत : संस्थान

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और उपभोक्ता विज्ञान की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध के साथ जीवन के हर पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि जीवन में चाहे जितनी भी कठिनाइयां व चुनौतियां आ जाए, लेकिन अंतिम क्षण तक हार नहीं माननी चाहिए। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे जीवन में अनुशासित बनकर सफल नागरिक की राह पर चलें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रांगण में पौधरोपण किया। सेवानिवृत शिक्षिकाएं डॉ. नीलम खेतरपाल, डॉ. नीलम परुथी, डॉ. सरोज जीत सिंह, डॉ. सविता सिंगल व डॉ. कृष्णा कामरा का विशेष अभिनंदन कर आभार जताया।

छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने बचपन की यादें विषय पर शिक्षाविद के बचपन की फोटो को डॉक्यूमेंटरी के जरिये प्रस्तुत कर माहौल को तरोताजा कर दिया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने शिक्षक दिवस पर सभी को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	6-9-23	3	7-8

गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध जरूरी : प्रो. बीआर

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज छात्राओं से हालचाल जानते हुए। ● पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक संबंध से हमारा देश फिर से विश्वगुरु कहलाएगा। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और उपभोक्ता विज्ञान द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि ने महाविद्यालय में पौधरोपण किया। इस दौरान सेवानिवृत शिक्षिका डा. नीलम खेतरपाल, डा. नीलम परूथी, डा. सरोज जीत सिंह, डा. सविता सिंगल व डा. कृष्णा कामरा का विशेष आभार जताया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. मंजू मेहता ने धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	05.09.2023	--	--

गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध जरूरी, तभी हमारा देश फिर से बन सकेगा विश्वगुरु : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 5 सितंबर। शिक्षकों का कर्तव्य विद्यार्थियों में सिर्फ स्किल ही पैदा करना नहीं है अपितु उन्हें अपने जीवन मूल्यों व कर्तव्यों का बोध करवाना भी है। इसलिए शिक्षक आत्म-अवलोकन जरूर करें। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अनुशासित बनकर अपने गुरुजनों का सम्मान जरूर करें। गुरु-शिष्य के बीच इसी सकारात्मक संबंध से हमारा देश फिर से विश्वगुरु कहलाएगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन और उपभोक्ता विज्ञान द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने शिक्षाविदें व विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक सोच व संबंध के साथ जीवन के हर पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में चाहे जितनी भी कठिनाईयां व चुनौतियां आ जाए लेकिन अंतिम क्षण तक हार नहीं माननी चाहिए। इन्होंने बतलाया था कि जीवन में सर्वाधिक महत्व वर्तमान का है। इसलिए विद्यार्थियों को चाहिए कि वे जीवन में अनुशासित बनकर सफल नागरिक की राह पर चले। कुलपति ने स्वामी परमहंस व स्वामी विवेकानंद के जीवन के प्रसंगों का उदाहरण देकर भी गुरु-शिष्य के बीच सकारात्मक संबंध को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का जीवन सफल बनाने में शिक्षकों का अहम योगदान होता है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रांगण में पौधरोपण किया। साथ ही उपस्थित शिक्षाविदें व विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया। मुख्यातिथि ने कार्यक्रम में विशेष तौर पर मौजूद संबंधित महाविद्यालय से सेवानिवृत्त शिक्षकाएं, जिनमें डॉ. नीलम खेतरपाल, डॉ. नीलम पसरीचा, डॉ. सरोज जीत सिंह, डॉ. सविता सिंगल व डॉ. कृष्णा कामरा का विशेष अभिनंदन कर आभार जताया। इस अवसर पर छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। साथ ही छात्राओं ने म्यूजिकल चेयर गेम करवाकर माहौल को खुशनुमा बनाया। इसके अलावा विद्यार्थियों ने बचपन की यादें विषय पर शिक्षाविदें के बचपन की फोटो को डॉक्यूमेंटरी के जरिए प्रस्तुत कर माहौल को तरो-ताजा कर दिया। अंत में कुलपति ने उपस्थित छात्राओं से मुलाकात कर हाल-चाल जाना। उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इससे पूर्व इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने सभी का धन्यवाद कर शिक्षक दिवस पर सभी को बधाई दी।